
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
BATCH
CLASS 12th | HISTORY
राजा, किसान और नगर
Chapter-2 | Part-4
आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. मौर्य साम्राज्य का प्रशासन
2. सम्राट के अधिकारियों के कार्य
3. सैनिक गतिविधियां : (मैगस्थनीज द्वारा)
4. मौर्य साम्राज्य का महत्व

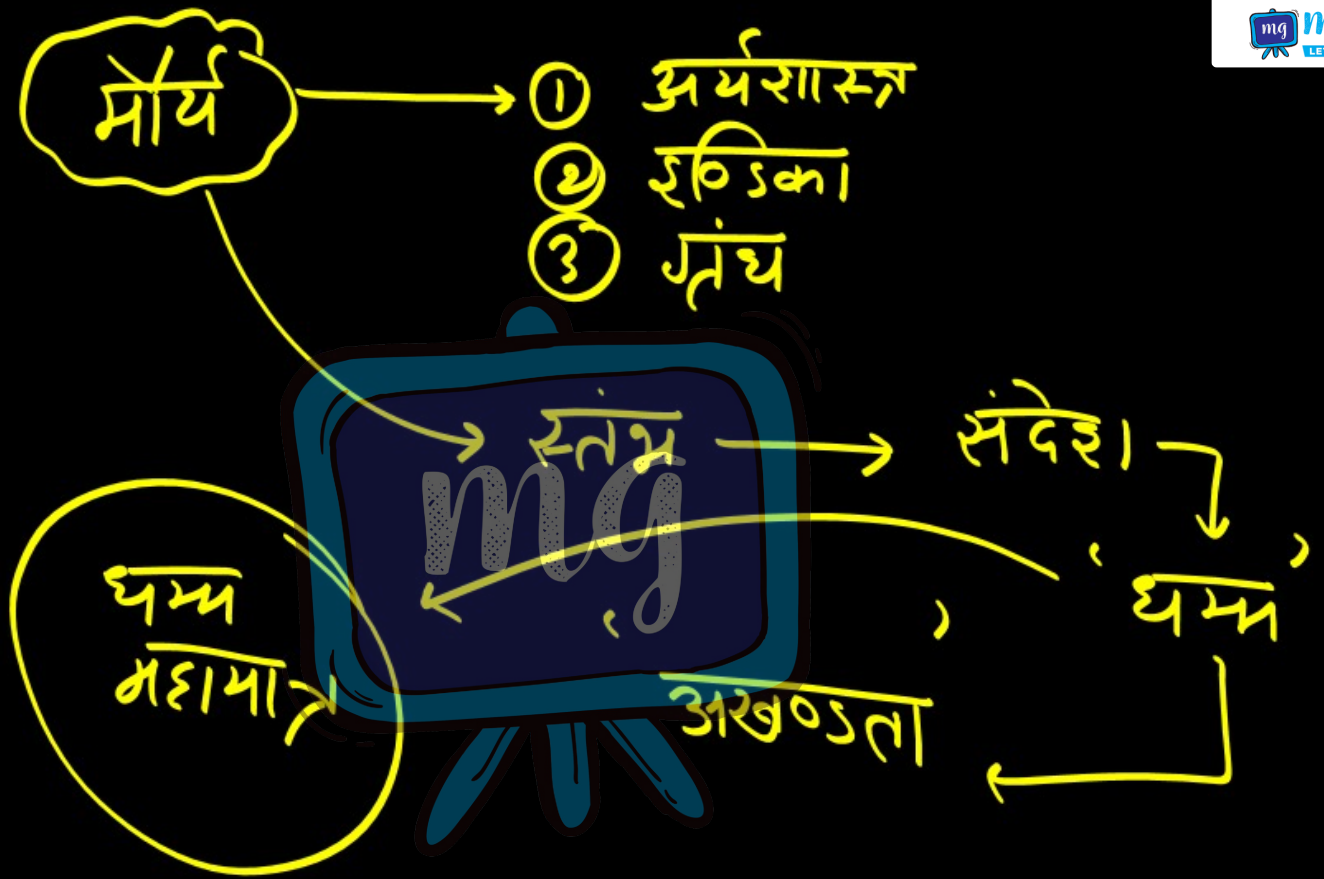
मौर्य
① अर्थशास्त्र
② इण्डिका।
③ ग्रंथ
स्तंभ
संदेश।
धम्म
धम्म महामात्र
अखण्डता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

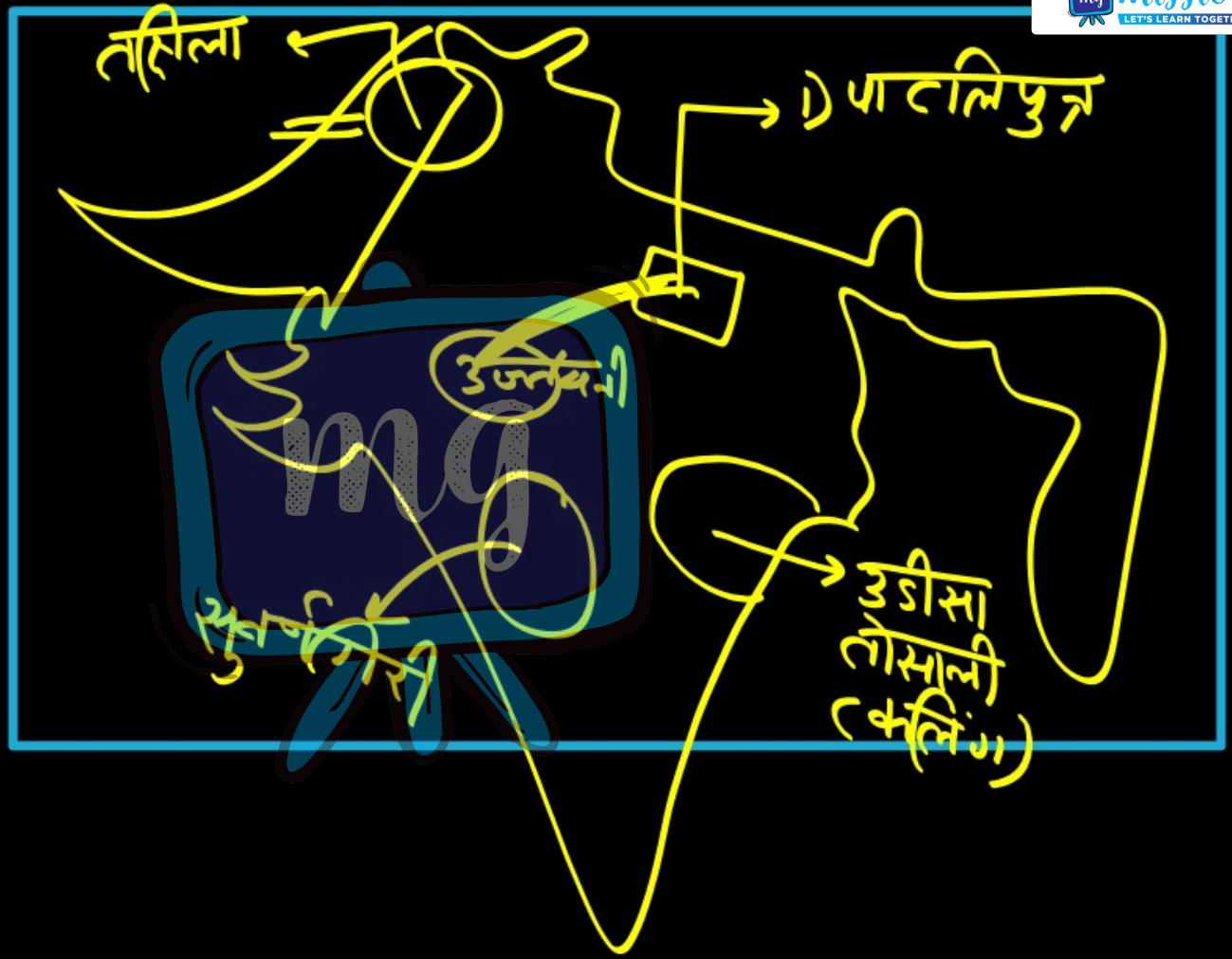

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मौर्य साम्राज्य का प्रशासन :

- मौर्य साम्राज्य के 5 प्रमुख राजनीतिक केन्द्र थे

1. राजधानी – पाटलिपुत्र
2. तक्षशिला (वर्तमान – पाकिस्तान)
3. उज्जयिनी
4. तोसालि (उड़ीसा में)
5. सुवर्णगिरि (दक्षिण में कर्नाटक)

प्रांतीय केंद्र/प्रांत

- इस सबका उल्लेख असोक के अभिलेखों में किया गया है।
- आधुनिक पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर सीमांत प्रांत से लेकर आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और उत्तराखंड तक हर स्थान पर एक जैसे संदेश उत्कीर्ण किये गये थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रशासनिक व्यवस्था :

- इतने बड़े साम्राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में इतिहासकारों का मानना है कि पूरे साम्राज्य में एक जैसी व्यवस्था रखना संभव नहीं था।
- साम्राज्य में शामिल क्षेत्र बड़े विविध और भिन्न भिन्न प्रकार के थे- कहां अफगानिस्तान के पहाड़ी क्षेत्र और कहां उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्र।
- संभव है कि सबसे अधिक प्रशासनिक नियंत्रण साम्राज्य की राजधानी तथा उसके आस पास के प्रांतीय केन्द्रों पर ही रहा हो।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इन प्रांतों का चयन बड़े ध्यान से किया गया था। तक्षशिला व उज्जयिनी दोनों ही लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित थे। जबकि सुवर्णगिरि (सोने के पहाड़) कर्नाटक में सोने की खदान के लिए उपयोगी था।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मौर्य साम्राज्य के 5 प्रान्तों के नाम लिखे ? इन प्रांतो चयन क्यो किया होगा ?

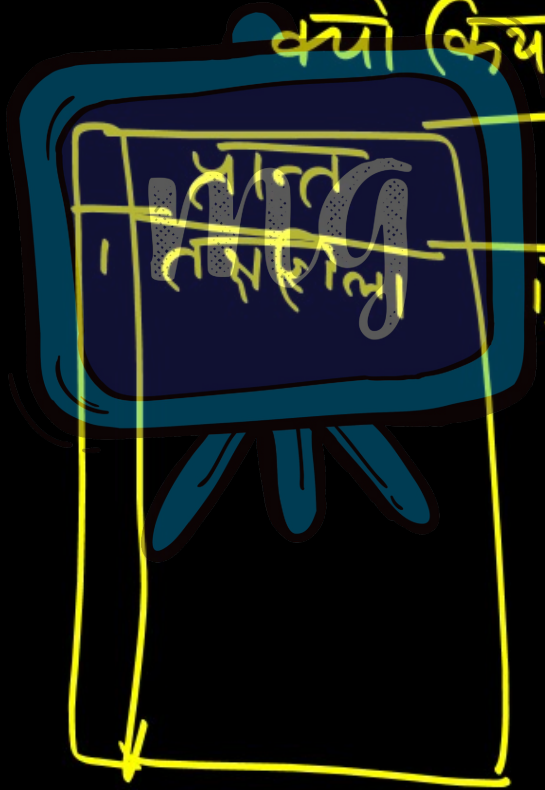

प्रान्त / तक्षशिला	चुनने का कारण
	1) सीमान्त - सुरक्षा + लम्बी दूरी का व्यापार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सम्राट के अधिकारियों के कार्य :

(मेगस्थनीज के विवरण का एक अंश) :

1. सम्राट के कुछ अधिकारी नदियों की देख रेख तथा भूमि मापन का काम करते थे। (जैसा कि मिश्र में होता था)।
2. कुछ प्रमुख नहरों से उपनहरों के लिए छोड़े जाने वाले पानी के मुखद्वार का निरीक्षण करते थे ताकि हर स्थान पर पानी की समान पूर्ति हो सके।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. कुछ अधिकारी शिकारियों का संचालन करते हैं तथा शिकारियों के कृत्यों के आधार पर उन्हें इनाम या दंड देते हैं।
4. कुछ कर वसूली करते हैं तथा भूमि से जुड़े सभी व्यवसायों का निरीक्षण करते हैं।
5. कुछ लकड़ाहारों, बढ़ई, लोहारों और खननकर्ताओं का भी निरीक्षण करते हैं।

❖ साम्राज्य के संचालन के लिए भूमि और नदियों दोनों मार्गों के आवागमन बना रहना अत्यंत आवश्यक था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- राजधानी से प्रांतों तक जाने में कई सप्ताह या महीनों का समय लगता होगा अतः यात्रियों के खान पान व सुरक्षा की व्यवस्था भी करनी पड़ती होगी। यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि सेना, सुरक्षा का एक प्रमुख माध्यम रही होगी।

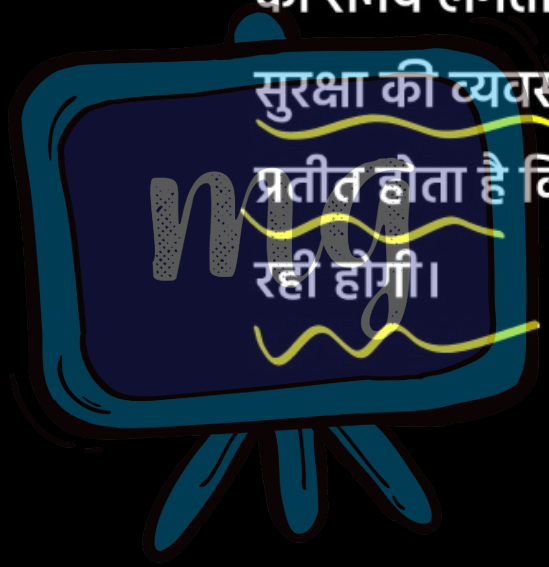

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मौर्य प्रशासन मे अधिकारियो के कार्य लिखे ?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सैनिक गतिविधियां : (मैगस्थनीज द्वारा)

❖ सेना के संचालन के लिए एक समति दशा छः उपसमितियां थीं। उपसमितियों के कार्य :-

1. पहली उपसमिति – नौसेना का संचालन करना
2. दूसरी उपसमिति – यातायात व खानपान का
3. तीसरी उपसमिति – पैदल सैनिकों का संचालन ।
4. चौथी उपसमिति – अखारोहियों का संचालन ।
5. पाँचवीं उपसमिति – रथरोहियों का संचालन
6. छठी उपसमिति – हाथियों का संचालन करना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दूसरी उपसमिति के दायित्व विभिन्न प्रकार के थे-

i. उपकरणों को ढोने के लिए बैलगाड़ियों की व्यवस्था करना।

ii. सैनिकों के लिए भोजन और जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था करना।

iii. सैनिकों की देखभाल के लिए सेवकों और शिल्पकारों की नियुक्ति करना।

❖ अर्थशास्त्र में सैनिक और प्रशासनिक संगठन का विस्तृत विवरण मिलता है।

❖ यूनानी स्त्रोतों के अनुसार मौर्य सम्राट के पास 6 लाख पैदल सैनिक, 30 हजार घुड़सवार, 9 हजार हाथी थे।



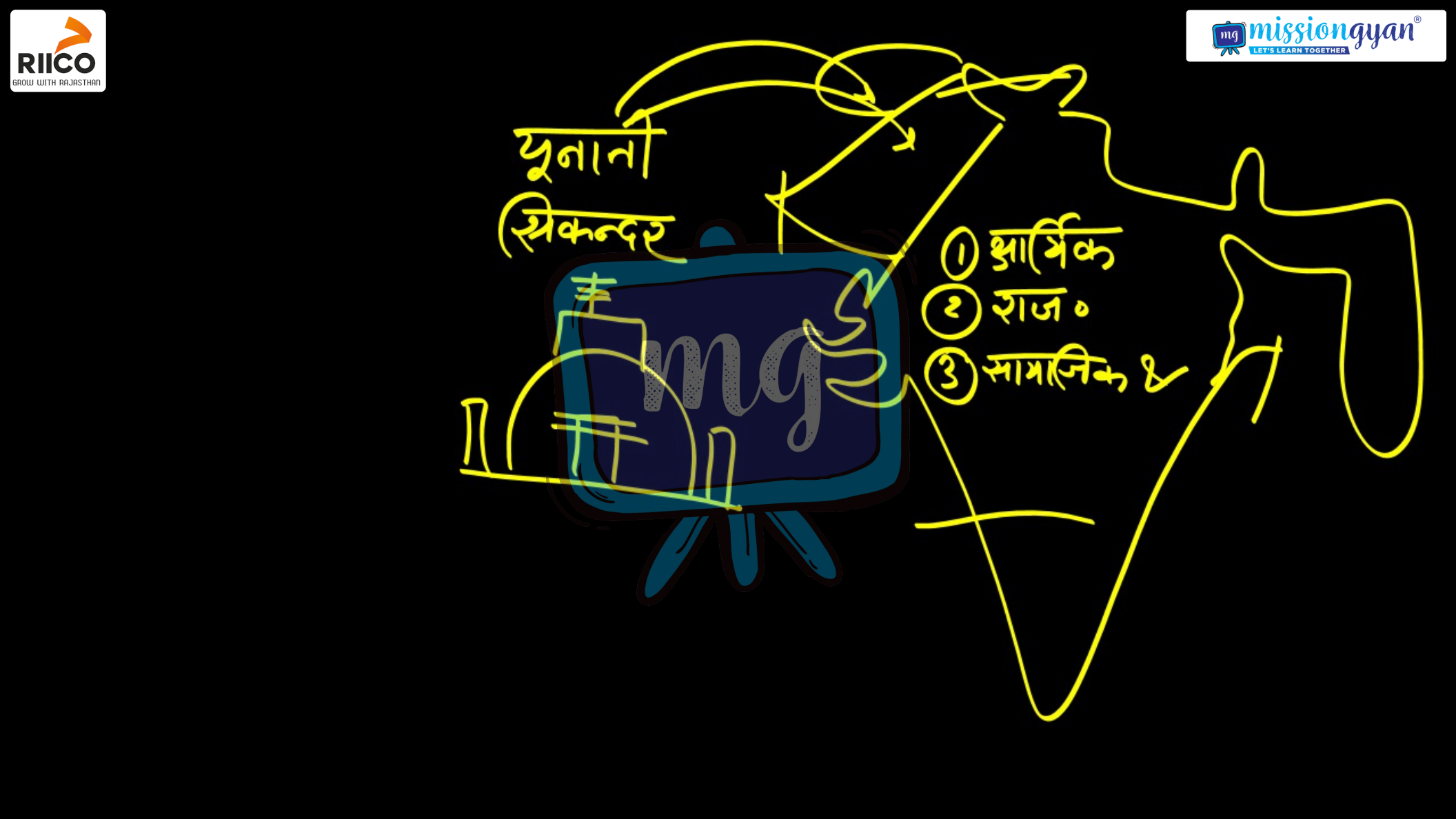
यूनानी
सिकन्दर
① आर्थिक
② राज०
③ सामाजिक ४

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मूर्ति
स्तंभ
स्तूप

मौर्य साम्राज्य का महत्व–

- इतिहासकारों ने मौर्य साम्राज्य को भारतीय इतिहास का एक प्रमुख काल माना है।
- प्रस्तर मूर्तियों सहित मौर्यकालीन सभी पुरातत्व एक आद्भुत कला के प्रमाण थे जो साम्राज्य की पहचान माने जाते हैं।
- इतिहासकारों के अनुसार असोक के अभिलेख अन्य शासकों से भिन्न हैं अतः उन्होंने असोक को एक बहुत शक्तिशाली एवं परिश्रमी शासक माना। साथ ही वे बाद के उन राजाओं से विनीत थे जो अपने नाम के साथ बड़ी बड़ी उपाधियां जोड़ते थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उपर्युक्त कारणों से ही बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने असोक को अपनी प्रेरणा का स्त्रोत माना।
- इसके उपरान्त भी मौर्य साम्राज्य मात्र 150 वर्ष ही चल पाया तोण यह उपमहाद्वीप के सभी क्षेत्रों में नहीं फैल पाया था। पूरे साम्राज्य में नियंत्रण भी समान नहीं था तथा इसके अंत के साथ ही उपमहाद्वीप में कई नये नये शासक व रजवाड़े स्थापित होने लगे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

